University in News on 26 March 2025

HT PAGE 4

LU MEET ON NATION-BUILDING DISCUSSES CHALLENGES

LUCKNOW: "The nation has encountered several hits and misses in the direction of nation-building. While it has learnt to be multilingual and multi-caste at the same time, a disconnect of the middle class can be seen with the idea of nationalism where youth is interested in studying and getting employment abroad which is one of the major problems in nation-building," said former professor at Center for the Study of Social Sciences, Jawaharlal Nehru University (JNU), prof Anand Kumar, on Tuesday. He was speaking at the inaugural session of a three-day national seminar on 'Challenges of Nation Construction in Contemporary India' that began at the sociology department of Lucknow University under the Dr Ram Manohar Lohia Chair.

Underlining the solution to the problems faced by the nation in the direction of nation-building, he said that the only solution is that one gets the priorities clear. "Employment-centric policies and programmes are the need of the hour. We can change the problem not by market forces but with role models ranging from the mohallas to the Parliament," he said. HTC

i-NEXT PAGE 4

समकालीन भारत में राष्ट्र निर्माण चुनौतियों पर चर्चा

सोशियोलॉजी डिपार्टमेंट की तरफ से किया गया आयोजन

LUCKNOW (25 March): एलयू में सोशियोलॉजी डिपार्टमेंट की तरफ से राधाकमल मुखर्जी सभागार में तीन दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि रघु ठाकुर, प्रो. आनंद कुमार, वीसी प्रो. आलोक कुमार राय, प्रो–वीसी मनुका खन्ना द्वारा किया गया. यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. राय ने कहा कि इस तरह की संगोष्ठियां यूनिवर्सिटीज में नए विचारों का परिष्करण करती हैं और उच्च शिक्षा में मौलिकता पर ध्यान आकर्षित करती हैं. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रघु ठाकुर ने अपने वक्तव्य में कहा कि लोहिया जी ने आजादी के बाद एक ऐसे भारत की परिकल्पना की जो न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो बल्कि सामाजिक समानता और न्याय पर आधारित हो, जो कि आज के परिवेश के लिए आवश्यक है.

उच्च शिक्षा की उपलब्धियां बताएंगे संस्थान

LUCKNOW : प्रदेश सरकार के 'सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति' के आठ वर्ष पूरे होने पर उच्च शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण योजनाएं एवं उपलब्धियां लोगों को बताई जाएंगी. हर जिले में इसके लिए 27 मार्च तक विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. विशेष सचिव उच्च शिक्षा के निर्देश के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के आदेश से कुलसचिव ने सभी को कार्यक्रम में हिस्सा लेने को कहा है.

JAGRAN CITY PAGE III

दिमाग को भ्रष्ट करती है मुफ्तखोरी : रघु ठाकुर

जासं ● लखनऊ : 'देश में 78 साल बाद भी जाति, धर्म, क्षेत्र, सत्ता, गैरसत्ता, ताकत व पैसा के आधार पर विभाजन रहता है। जाति समाज को एक नहीं होने देगी। लोग जातियां ही नहीं, पुरुष और स्त्री के संबंध में भी पिछड़े हुए हैं। गरीब गरीब से लड़ रहा है। 21 वीं सदी में बड़ी मशीनें रोजगार खा रही हैं। मुफ्तखोरी इंसान के दिमाग को भ्रष्ट करती है। शिक्षा का निजीकरण समाप्त होना चाहिए।

यह बातें समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर ने बतौर मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग व डा. राम मनोहर लोहिया शोधपीठ की ओर से डा. राममनोहर लोहिया के जन्म दिवस के उपलक्ष्य पर मंगलवार को राधा कमल मुकर्जी सभागार में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कहीं।

रघु ठाकुर का सम्मान करते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ● जागरण

'समकालीन भारत में राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां' विषयक संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य वक्ता रघु ठाकुर, मुख्य अतिथि जेएनयू के प्रो. आनंद कुमार, कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने दीप प्रज्वलित कर व डा. राममनोहर लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया। रघु ठाकुर ने कहा कि राममनोहर लोहिया ने आजादी के बाद एक ऐसे भारत के निर्माण की परिकल्पना की थी जो न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो, बल्कि सामाजिक समानता और न्याय पर आधारित हो, जो आज भी व्यावहारिक दृष्टि से बहुत ही प्रासंगिक है।

प्रो. आनंद कुमार ने कहा कि लोहिया का दृष्टिकोण गांधीवादी सिद्धांतों और वैज्ञानिक समाजवाद का अनूठा मिश्रण था। कुलपति आलोक कुमार राय ने उच्च शिक्षा और विश्वविद्यालय में मौलिकता पर ध्यान केंद्रित किया।

लवि का परिणाम घोषित

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के विषम सेमेस्टर के कई कोर्सों का परिणाम मंगलवार को जारी किया गया। इसमें एलएलबी तीन वर्षीय पहले सेमेस्टर, बीवाक एलाइड आर्ट, पेंटिंग, एमए फोरेंसिक साइंस तीसरे सेमेस्टर, एमए दर्शन शास्त्र पहले सेमेस्टर और बीए एनईपी सातवें सेमेस्टर में सभी विषयों के परिणाम शामिल हैं। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर इसे देख सकते हैं। (जासं)

उपलब्धियां बताएंगे संस्थान

लखनऊ: प्रदेश सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर उच्च शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण योजनाएं एवं उपलब्धियां लोगों को बताई जाएंगी। हर जिले में इसके लिए 27 मार्च तक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के आदेश से कुलसचिव ने सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक और इंचार्ज के साथ संबद्ध कालेजों को कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए कहा है। (जासं)

AMRIT VICHAR PAGE 6

पूंजीवाद और साम्यवाद से अलग लोहिया ने दिया तीसरा मार्ग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में डॉ. राम मनोहर लोहिया शोधपीठ द्वारा समकालीन भारत में राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन के पहले दिन मुख्य वक्ता रघु ठाकुर ने अपने विचार रखे। रघु ठाकुर ने कहा कि लोहिया ने आजादी के बाद एक ऐसे भारत के निर्माण की परिकल्पना की थी जो न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो बल्कि सामाजिक समानता और न्याय पर आधारित हो।

प्रो. आनंद कुमार ने बताया कि लोहिया का दृष्टिकोण गांधीवादी सिद्धांतों और वैज्ञानिक समाजवाद का अनूठा मिश्रण था। उन्होंने पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों की आलोचना करते हुए "तीसरा मार्ग" प्रस्तावित किया, जो लोकतांत्रिक समाजवाद पर आधारित था। लोहिया ने भाषाई समानता और सामाजिक न्याय के माध्यम से भारतीय पहचान को मजबूत करने पर जोर दिया।

उपभोक्ता अधिकारों व कानून की दी जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रो. बोनो क्लब ने अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो के सहयोग से उपभोक्ता संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्रों को उपभोक्ता अधिकारों, उपभोक्ता संरक्षण कानून, और निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधि संकाय के प्रो. (डॉ.) बीडी सिंह, अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, विधि संकाय के उद्घाटन भाषण से हुई। कार्यक्रम में बीआईएस के निदेशक सुधीर बिश्नोई ने उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पाद सुनिश्चित करने में इसके योगदान पर चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. आलोक कुमार यादव, डॉ. सुधीर कुमार वर्मा और विधि छात्र उपस्थित रहे।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आगाज

लखनऊ। लविवि के समाजशास्त्र विभाग में डॉ. राम मनोहर लोहिया शोधपीठ की ओर से तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि भारतीय समाजशास्त्र परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रो. आनंद कुमार ने बताया कि लोहिया का दृष्टिकोण गांधीवादी सिद्धांतों और वैज्ञानिक समाजवाद का अनूठा मिश्रण था। उन्होंने पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों की आलोचना करते हुए तीसरा मार्ग लोकतांत्रिक समाजवाद पर आधारित प्रस्तावित किया। (संवाद)

सात कोर्सों के परिणाम जारी

लखनऊ। लविवि ने विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत मंगलवार को सात कोर्सों के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एलएलबी तीन वर्ष, बीबीए, एमए और बीए विषम सेमेस्टर के परिणाम जारी हुए हैं। (संवाद)